पुरस्कार :

(1) जवाहर लाल नेहरु पुरस्कार -2010
(2) राजषी टंडन पुरस्कार – 2010
(3) राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार
(4) डॉ.टी.के.श्रीनिवास गोपाल सिफ्ट कोचीन को नास फेलोशिप
(5) प्रशंसा प्रमाण पत्र - डॉ.रविशंकर सिफ्ट कोचीन
(6) प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला सिफ्ट कोचीन में संचालित
(7) शुक्ति उत्पादों पर सिफ्ट कोचीन में प्रशिक्षण
(8) डॉ.दालेला ओरेशन पुरस्कार - डॉ.मीनाकुमारी निदेशक सिफ्ट कोचीन
(9) राज्य पुरस्कार - डॉ.पी.एन.जोशी, सिफ्ट, कोचिन
(10) सर्वश्रेष्ठ शोध प्रबंध के लिए पुरस्कार
(11) सिफ्ट जानकारी विविध क्षेत्रों पर कार्यान्वित करने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार – 2008
(12) सिफ्ट द्वारा नवीन अनुसंधान पहल
(13) फासेट फेलोशिप - डॉ.बी.मीनाकुमारी, निदेशक, सिफ्ट, कोचीन
(14) साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार 2008
(15) सिफ्ट को उत्कृष्ठ संस्थान पुरस्कार
(16) सर्वोत्तम संस्थान पुरस्कार – 2006
(17) स्नातकोत्तर कृषि अनुसंधान के लिए जवाहरलाल नेहरु पुरस्कार- 2004 - डॉ.साली .एन.थामस

(1). **जवाहर लाल नेहरू पुरस्कार-2010**

डॉ.जॉर्ज नैनान वरिष्ठ वैज्ञानिक मत्स्य संसाधन प्रभाग, सिफ्ट, कोचीन को उनके पी.एच.डी.शोध कार्य के लिए उत्कृष्ठ स्नातकोत्तर कृषि अनुसंधान 2010 भा.कृ.अनु.प. नई दिल्ली द्वारा जवाहर लाल नेहरु पुरस्कार से सम्मानित किया गया । उनके शोध प्रबंध का विषय “मीठे पानी के मत्स्य त्वचा से जलाटिन के निष्कर्षण के लिए प्रक्रिया पैरामीटरों का अनुकूलन एवं भौतिक व रासायनिक गुणों का मूल्यांकन” था । उन्होंने अपना शोध कार्य डॉ.जोस जोसफ (सेवानिवृत्त) प्रधान वैज्ञानिक मत्स्य संसाधन प्रभाग, सिफ्ट के मार्गदर्शन में किया, उन्हें यह पुरस्कार 16 जुलाई 2011 को केन्द्रीय कृषि, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री शरद पवार के द्वारा दिया गया ।

(2). **राजर्षी टंडन पुरस्कार 2010**

वर्ष 2010 का राजभाषा के लिए दिया जाने वाला राजर्षी टंडन पुरस्कार केन्द्रीय मात्स्यकी प्रौद्योगिकी संस्थान कोचीन को उसके उत्कृष्ठ राजभाषा कार्यान्वयन के लिए दिया गया । यह सातवीं बार है जब सिफ्ट कोचिन को यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है । यह पुरस्कार संयुक्त रूप से डॉ.टी.के.श्रीनिवास गोपाल, निदेशक, सिफ्ट एवं श्रीमती जेस्सी जोसफ द्वारा लिया गया ।

(3). **राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार** :

डॉ. फेमीना हसन, वरिष्ठ वैज्ञानिक, गुणता आश्वासन एवं प्रबंधन प्रभाग, सिफ्ट, कोचिन को राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार मत्स्य क्षेत्र में उनके उत्कृष्ठ योगदान एवं विलक्षण प्रदर्शन के लिए भारतीय अंतर्राष्ट्रीय संस्था, नई दिल्ली द्वारा दिया गया । उन्हें यह पुरस्कार असम एवं तमिलनाडु के पूर्व राज्यपाल डॉ.भीष्म नारायण सिंह के हाथों से प्राप्त हुआ ।

(4). **टी.के. श्रीनिवास गोपाल को नास फेलोशिप :**

टी.के.श्रीनिवास गोपाल मुख्य वैज्ञानिक, मत्स्य संसाधन प्रभाग, सिफ्ट, कोचिन को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी द्वारा कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में खाद्य प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता के लिए फेलोशिप प्रदान की गई । यह नास फेलोशिप उन्हें 1 जनवरी 2010 को प्रदान की गई ।

डॉ.श्रीनिवास गोपाल ने भभका कोष्ठ प्रौद्योगिकी में सुविज्ञता हासिल की है। उन्होंने सब्जियों, डेरी उत्पादों, नारियल मांस एवं मत्स्य उत्पादों के लिए विभिन्न प्रकार के भभका कोष्ठ विकसित किए हैं ।

(5) डॉ. रविशंकर, सिफ्ट, कोचिन को प्रशंसा प्रमाण पत्र

प्रोफेशनल मास्यिकी स्नातक फोरम, मुंबई द्वारा डॉ.सी.एन.रविशंकर, वरिष्ठ वैज्ञानिक, मत्स्य संसाधन प्रभाग, सिफ्ट, कोचिन को वर्ष 2009 के श्रेष्ठ भारतीय मास्यिकी वैज्ञानिक पुरस्कार ‘प्रशंसा प्रमाण पत्र’ के साथ दिया गया।

यह पुरस्कार मास्यिकी महाविद्यालय, मंगलूर द्वारा वार्षिक बैठक के दौरान 22 सितंबर, 2009 को दिया गया ।

(6) **प्रशिक्षकों की प्रशिक्षण कार्यशाला का सिफ्ट, कोचिन में आयोजन** :

कृषि में महिलाओं के अनुसंधान निदेशालय, भुवनेश्वर के सहयोग से केन्द्रीय मास्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, कोचिन द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 18 जनवरी, 2010 को किया गया । इस कार्यशाला में प्रशिक्षकों ने पश्च पैदावार प्रौद्योगिकियों के द्वारा तटीय क्षेत्र के मछुवारिनों पर क्षमता निर्माण नामक नेटवर्क परियोजना के अंतर्गत प्रशिक्षण लिया ।

कार्यशाला का शुभारंभ डॉ.रविशंकर के स्वागत भाषण के साथ हुआ, टी आर डब्ल्यू के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.पी.के.साहू ने संक्षिप्त व्याख्यान इस परियोजना के विषय में दिया । ततपश्चात डॉ.बी.मीनाकुमारी, निदेशक, सिफ्ट, डॉ.कृष्णा श्रीनाथ निदेशक डी.आर.डब्ल्यू.ए.भुवनेश्वर ने भी कार्यशाला को संबोधित किया । डॉ.निकिता गोपाल ने धन्यवाद भाषण दिया ।

(7) शुक्ति उत्पादों पर प्रशिक्षण

केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा मूल्यवर्धित शुक्ति उत्पादों की तैयारी पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 8 एवं 9 फरवरी 2010 को किया गया ।

(8) डॉ बी.मीनाकुमारी, निदेशक, सिफ्ट को दालेला ओरेशन पुरस्कार :

डॉ.बी.मीनाकुमारी, निदेशक, सिफ्ट को ग.बिलियम डी.दार महानिदेशक, अर्ध उष्ण कटिबंधीय प्रदेशों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान ICRISAT हैदराबाद ने ICROSAT में संचालित पर्यावरणीय जीव विज्ञान अकादमी के 29 वीं वार्षिक सत्र में 6वीं डा.आ.सी.दालेला ओरेशन पुरस्कार प्रदान किया ।

(9) डॉ.पी.एन.जोषी को राज्य पुरस्कार :

डॉ.पी.एन.जोषी, प्रभागाध्यक्ष, अभियांत्रिकी प्रभाग, सिफ्ट, कोचिन को वर्ष 2008-09 के दौरान केरल राज्य के अनुसंधान एवं नवाचार श्रेणी में ऊर्जा संरक्षण एवं प्रबंध में महत्वपूर्ण उपलब्धियों के सम्मान के रूप में वर्ष 2008-09 का केरल राज्य ऊर्ज संरक्षण प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया । मत्स्य एवं कृषि उत्पादों के पर्यावरणानुकूल एवं स्वास्थ्यकर संरक्षण के लिए बनाए गये अक्षय ऊर्जा युक्त सौर्य जैविक पिंड हारर्षीय शुष्कक को विकसित करो के कारण डॉ.जोशी को यह पुरस्कार दिया गया था ।

(10) सर्वोत्तम शोध प्रबंध पुरस्कार :

शीतित अवस्था में 02 निकासियों को प्रयुक्त करके सीर मत्स्य (स्कोम बेरोमोरस कमेरसन) स्टीकों की शेल्फ जीविका विस्तार नामक श्रेष्ठ भारतीय पी.एच.डी.शोध प्रबंध के लिए **डॉ.आई करूणा सागर** पुरस्कार मुंबई के प्रोफशनल मात्स्यिकी स्नातक फोरम ने डॉ.सी.ओ.मोहन, वैज्ञानिक, सिफ्ट के वेरावल अनुसंधान केन्द्र को प्रदान किया । डॉ.मोहन को यह प्रमाण पत्र मात्स्यिकी महाविद्यालय, मैंगलोर की वार्षिक बैठक के दौरान 22 दिसंबर 2009 को प्रदान किया गया ।

(11). ***सिफ्ट जानकारी विविध क्षेत्रों पर कार्यान्वित करने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार – 2008***

सिफ्ट में विकसित विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग देश के महत्वपूर्ण कार्यक्रम जिसमें समुद्री विज्ञान, कृषि जल संस्थान, ऊर्जा व पर्यावरण शामिल हैं, में किया जा सकता है । सिफ्ट ने 70 एवं 30 के दशक में पर्यावरण आंकडा प्रणाली एवं कुछ अन्य महत्वपूर्ण उपकरणों का व्यवसायीकरण भारतीय राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम के द्वारा किया । इन प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शनी विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में डॉ.टी.के.शिवदास (सेवा निवृत्त), प्रधान वैज्ञानिक, सिफ्ट, कोचिन के नेतृत्व में किया गया ।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय द्वारा संस्थापित अनुसंधान व विकास के लिए वर्ष 2008 पुरस्कार श्री टी.एस.श्रीजीत को दिया गया जो कि श्री.टी.के.शिवदास के सुपुत्र हैं तथा पर्यावरणीय मापन व नियंत्रण संस्थान, कोचिन के संचालक है ।

(12) सिफ्ट द्वारा नवीन अनुसंधान पहल

मत्स्यपालन क्षेत्र में इस क्षेत्र से जुडी महिलाओं के शाक्तीकरण के लिए किसी रचना विशेष की आजीविका हस्तक्षेप वाली परियोजना का शुभारंभ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा महिलापरक योजना के अंतर्गत सिफ्ट के लिए किया गया। इस परियोजना की समय सीमा तीन वर्ष की है ।

परियोजना आधिकारिक रूप से 25 सितंबर 2009 को आरंभ हुई जिसे डॉ.बी. मीनाकुमारी द्वारा मूत्तकुन्नम, एरणाकुलम जिला में आरंभ किया गया । इस परियोजना को केरल राज्य के तीन तटीय जिलों यानी कोल्लम, आलप्पुष़ा एवं एरणाकुलम में कार्यान्वित किया जाएगा ।

इस परियोजना की प्रमुख अन्वेषक डॉ.फेमिना हसन है जो कि वरिष्ठ वैज्ञानिक, गुणता , आश्वासन एवं प्रबंधन विभाग सिफ्ट में कार्यरत हैं ।

(13) डॉ.बी.मीनाकुमारी, निदेशक, सिफ्ट, कोचिन को देशी एवं समुद्री मात्स्यिकी क्षेत्रों के लिए उत्कृष्ट योगदान देने एवं मत्स्य गियर सामग्री के सुधार हेतु विज्ञान अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी अकादमी (फासेट) द्वारा अध्येतावृत्ति प्रदान की गई ।

(14) डॉ.सी. जेस्सी जोसफ , सहायक निदेशक राजभाषा विभाग को वर्ष 2008 का साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार उनके कार्य **अपरिचितर** (मलयालम) के लिए दिया गया ।

(15) केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, कोचिन, को वर्ष 2006 के भा.कृ.अनु.प. के उत्कृष्ठ संस्थान के लिए प्रदत्त **सरदार पटेल** पुरस्कार प्रदान किया गया । यह पुरस्कार हर वर्ष कृषि अनुसंधान क्षेत्र में उत्कृष्ठ योगदान एवं कृषि विज्ञान व प्रौद्योगिकी, शिक्षा एवं प्रशिक्षण क्षेत्र के प्रोत्साहन के लिए भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली द्वारा दिया जाता है ।

यह पुरस्कार पाने वाला यह संस्थान एक मात्र संस्थान है जिसे यह पुरस्कार बार बार मिला है । इस पुरस्कार में पांच लाख रु पये की धनराशी एवं एक उदाहरण मिलता है । यह पुरस्कार कृषि केन्द्रीय मंत्री द्वारा आ.सी.ए.आर निदेशक संगोष्ठी में 16 जुलाई 2007 को संस्थान के निदेशक को दिया गया ।

सिफ्ट को यह पूरस्कार दूसरी बार प्राप्त हुआ है । इसके पहले, वर्ष 2000 में इस संस्थान को यह सम्मान प्राप्त हुआ था । यह पुरस्कार एवं पुरस्कार राशी को सिफ्ट के प्रभारी निदेशक डॉ.के.देवदासन ने ग्रहण किया । इस पुरस्कार में एक उद्दरण एवं 5,00,000/- नकद राशी दी जाती है ।

पैदावार :

- ✶ कम लागत एवं पारंपरिक क्राफ्ट के लिए टिकाऊ एवज़ी
- ✶ ट्रालिंग में ऊर्जा की बचत अवधारणा
- ✶ अर्ध वेलापवर्ती संसाधनों के लिए पर्यावरणानुकूल ट्राल
- ✶ कम ऊर्जा एवं पर्यावरणानुकूल पैदावार प्रौद्योगिकी
- ✶ लक्षद्वीप में बड़े संपाश के क्लोम जालों को लोकप्रिय करना

उत्पाद :

- ✶ लचीले भभका कोष्ठों में उपभोग के लिए तैयार तले हुए मसले
- ✶ बैटर एवं ब्रेड किए गए उत्पाद
- ✶ संसाधित जेली मत्स्य एवं स्क्वालीन
- ✶ मत्स्य पाउडर समावेशित कुकीस
- ✶ एनसाइल किए गए मत्स्य अवशिष्टों से श्रेष्ठ गु ता के पशु/सुअर/मुर्गी के लिए खाद्य
- ✶ मॉडल प्रवाह उपचार संयंत्र

* पर्यावरण के अनुकूल मत्स्य शुष्कक
* मांस हड्डी विभाजक
* मोलस्क की सीपी काटने के लिए कई ब्लेड वाली मशीन
* झींगे में WSSV के शीघ्र पता लगाने के लिए उपकरण किट
* संवेष्ठन
* तापस्थायित पात्रों में बहिर्वेधित उत्पाद
* खाद्य आवरण में सॉस
* भभका कोष्ठों में कढ़ी

सिफ्ट द्वारा 12 वीं परियोजना की प्राथमिकताएँ

* उत्पाद विकास के लिए नानो प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी एवं जैव सूचना का प्रयोग
* उत्तरपूर्वी क्षेत्रों एवं द्वीपों में आवश्य आधारित विशेष कार्यक्रम
* वाणिज्यिक नमूनों के परीक्षण के लिए विशेष सुविधा
* ट्यूना लांग लॉइनर के अभिकल्प एवं निर्माण
* क्राफ्ट एवं गियर परीक्षण के लिए परिक्षण टंकी सुविधा
* मत्स्ययन यानों के परीक्षण एवं प्रमाणीकरण के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन केन्द्र की स्थापना
* यान अभिकल्प केन्द्र की स्थापना
* संपूर्ण नाव निर्माण यार्ड की स्थापना
* कमजोर वर्गों एवं महिलाओं के लिए विशेष कार्यक्रम
* पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र और एरिस सेल का आधुनिकीकरण
* मानव संसाधन विकास
* मत्स्य संसाधन उद्योग के लिए तकनीकी सलाहकार केन्द्र का निर्माण
* जलीय-ध्वनिक एवं जीवपारिस्थितिकी प्रयोगशाला का निर्माण
* खाद्य सुरक्षा एवं जोखिम मूल्यांकन में आधुनिक सुविधाओं और जनशक्ति के साथ उत्कृष्ठता केन्द्र की स्थापना

(16) सिफ्ट को वर्ष 2006 का सर्वश्रेष्ठ संस्थान का सरदार पटेल पुरस्कार दिया गया । यह पुरस्कार पाने वाला यह संस्थान एक मात्र संस्थान है जिसे यह पुरस्कार बार बार मिला है । इस पुरस्कार में पांच लाख रु पये की धनराशी एवं एक उदाहरण मिलता है । यह पुरस्कार कृषि केन्द्रीय मंत्री द्वारा आ.सी.ए.आर निदेशक संगोष्ठी में 16 जुलाई 2007 को संस्थान के निदेशक को दिया गया ।

(17) वर्ष 2004 जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार

डॉ.साली एन.थामस वरिष्ठ वैज्ञानिक मत्स्य प्रौद्योगिकी विभाग सिफ्ट को वर्ष 2004 का स्नातकोत्तर कृषि अनुसंधान जवाहर लाल नेहरू पुरस्कार उनके पी.एच.डी. शोध कार्य के लिए दिया गया । उन्होंने प्रोफेसर डॉ.सी. हृदयनाथन के मार्गदर्शन में पी.एच.डी.की जो औद्योगिक मास्य पालनविद्यालय के निदेशक थे ।